संस्कृत,पालि एवं प्राकृत विभाग,
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर,

संस्कृत अध्ययन मण्डल की बैठक

आज दिनांक 23/06/2021, बुधवार दोपहर 12 बजे विश्वविद्यालय में संस्कृत अध्ययन मण्डल की बैठक की गई जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे–

1. प्रो.धीरेन्द्र पाठक (कलासंकायाध्यक्ष)
2. प्रो.राधिका प्रसाद मिश्र (अध्यक्ष अध्ययन मण्डल) 23/6/21

सदस्य –

1. डॉ. माला प्यासी – प्राध्यापक संस्कृत- शास. महाकोशल महा. जबलपुर 23.6.21
2. डॉ. गंगाधर त्रिपाठी सहा०प्रा० संस्कृत - श्रीजानकीरमण महाविद्यालय जबलपुर

प्रस्ताव–

इसमें "त्रैमासिक गीता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम" सन् 2021–2022 से प्रारंभ करने हेतु प्रस्तावित किया गया।

निर्णय–

1. सर्वसम्मति से "त्रैमासिक गीता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम" सन् 2021–2022 से प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया।
2. पाठ्यक्रम का संपूर्ण विवरण इस प्रकार से है–

प्रवेश संबंधी नियमावली

- इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु निर्धारित सीट संख्या 30 होगी।
- अर्हता प्रवेश पात्रता स्नातक परीक्षा में 45% होगी।
- इस पाठ्यक्रम की अवधि त्रैमासिक होगी।
- परीक्षा परिणाम की श्रेणी व न्यूनतम अंक का निर्धारण रा.दु.विश्वविद्यालय के नियमानुसार होगा।

23/6/21

- उपस्थिति 75% अनिवार्य होगी।
- यह "त्रैमासिक गीता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम" 2021/2022 से प्रभावी होगा।
- परीक्षा पद्धति का स्वरूप त्रैमासिक रहेगा।

प्रश्नपत्र संरचना

- "त्रैमासिक गीता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम" 100 अंकों का होगा जिसमें 50 अंकों का सैद्धान्तिक प्रथम प्रश्नपत्र एवं 50 अंकों की मौखिकी परीक्षा होगी।

"त्रैमासिक गीता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम" शुल्क

1. नामांकन शुल्क	330/-
2. प्रवेश शुल्क (छात्र–छात्राओं दोनों के लिए)	1150/-
3. पंजीयन शुल्क	330/-
4. परीक्षा शुल्क	1860/-
5. परीक्षा अग्रेषण शुल्क	250/-
कुल शुल्क	3920/-

उद्देश्य –

1. श्रीमद्भगवद्गीता की सार्वभौमिक शिक्षा द्वारा समाज में जागरुकता उत्पन्न करना।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से व्यतित्त्व का विकास।
3. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से दुःखत्रय की शान्ति के उपाय।
4. सनातन शास्त्र की परम्परा का संरक्षण एवं संवर्द्धन करना।

23/6/21

"त्रैमासिक गीता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम"

प्रथम प्रश्न पत्र

श्रीमद्भगवद्गीता का सामान्य बोध

समय 3 घण्टे | कुल अंक 50

प्रथम इकाई	भूमिका, माहात्म्य, पाठ	10
द्वितीय इकाई	शब्दार्थ–बोध, भावार्थ	10
तृतीय इकाई	कर्मयोग, भक्तियोग	10
चतुर्थ इकाई	ध्यानयोग और उसकी उपादेयता	10
पंचम इकाई	श्रीमद्भगवद्गीता की वर्तमान में प्रासंगिकता	10

सन्दर्भित ग्रन्थ–

1. श्रीमद्भगवद्गीता – गीता प्रेस गोरखपुर
2. गीताव्याकरणम् – गीता प्रेस गोरखपुर
3. श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य – बाल गंगाधर तिलक, तिलक ब्रदर्स प्रकाशन, पूना

23/6/21

"त्रैमासिक गीता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम"

द्वितीय

मौखिकी परीक्षा

मौखिकी में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे।

कुल अंक 50

समय 3 घण्टे

उपर्युक्त सम्पूर्ण विषय सर्वसम्मति से निश्चित किये गये।

1. प्रो.धीरेन्द्र पाठक (कलासंकायाध्यक्ष)
2. प्रो.राधिका प्रसाद मिश्र (अध्यक्ष अध्ययन मण्डल) 23/6/21

सदस्य –

1. डॉ. माला प्यासी — प्राध्यापक-संस्कृत-शास.महाकोशल महा. जबलपुर
2. डॉ. गंगाधर त्रिपाठी सहा० प्रा० संस्कृत -श्रीजानकीरमण महाविद्यालय जबलपुर

23/6/21

Dr. Radhika Prasad Mishra
Prof. & Chairman of Board of Studies
Sanskrit, Pali & Prakrit Deptt.
R.D.V.V. Jabalpur (M.P.)